आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 258 | उज्जैन, गुरूवार 07 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया प्रदेश के सबसे बड़े वाटर पार्क का वर्चुअल उद्घाटन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मनुष्य का जल से गहरा संबंध है। पृथ्वी की उत्पत्ति से ही जीव जन्तु और मनुष्य जल के साथ जीवन व्यतीत करते हैं। स्नान से भी वही सुख मिलता है, जो माता-पिता के सानिध्य से प्राप्त होता है। हताशा और निराशा या कष्ट की स्थिति में मनुष्य के दुःख जल के संपर्क से दूर हो जाते हैं। आज वाटर पार्क न केवल मनोरंजन का माध्यम है, अपितु फिटनेस और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह लोगों को उमंग और ऊर्जा से भर देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को इंदौर में 220 करोड़ रुपए की लागत से 25 एकड़ क्षेत्र में निर्मित प्रदेश के सबसे बड़े वाटर पार्क इमेजिका एक्वा का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, श्री ओमप्रकाश सकलेचा आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर स्वच्छता की राजधानी है। इंदौर में यह वृहद् वाटर पार्क बदलते दौर में अनुपम उपहार होगा। इंदौर अद्वितीय और आदर्श नगर है। वॉटर पार्क यहां की नई पहचान बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटर पार्क प्रारंभ करने के लिए मालपानी समूह को बधाई दी। श्री राजेश संजय और मालपानी समूह के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम में भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

कोल्हापुर में होगी माधुरी की वापसी, वंतारा ने पेश किया रिहैब सेंटर बनाने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। माधुरी नामक हथिनी को कोल्हापुर से वंतारा भेजने के बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सख्त विरोध हो रहा है। ऐसे में वंतारा ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए प्रेस रिलीज जारी की है। वंतारा का कहना है कि न्यायालय के आदेश पर माधुरी को यहां लाया गया था। हालांकि, लोगों की भावनाओं और माधुरी के लिए लगाव को देखते हुए कोल्हापुर में रिहैब सेंटर बनाने का फैसला किया गया है।

माधुरी को कोल्हापुर से वंतारा भेजने पर विवाद शुरू हो गया है। ऐसे में वंतारा ने प्रेस रिलीज के माध्यम से औपचारिक बयान जारी किया है।

वंतारा ने क्या कहा- प्रेस रिलीज में वंतारा ने कहा, हम जैन मठ और कोल्हापुर के लोगों के मन में मौजूद माधुरी के प्रति गहरी आस्था और पारंपरिक अहमियत का सम्मान करते हैं। पिछले कई दशकों से माधुरी धार्मिक कार्यों का जरूरी हिस्सा रही है। हम माधुरी के लिए आपके लगाव और चिंता को अच्छी तरह से समझते हैं।

वंतारा ने कहा- माननीय सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हुए हमें माधुरी को कोल्हापुर से वंतारा लाना पड़ा है।

पश्चिमी देशों का दोहरा रवैया, भारत को दे रहे उपदेश और खुद रूस से जमकर कर रहे Import

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी देशों खास तौर पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की तरफ से रूस से तेल खरीदने के मामले में भारत को लगातार उपदेश दिया जा रहा है और आर्थिक दंड लगाने की धमकी भी दी जा रही है लेकिन हकीकत यह है कि ये देश अभी भी रूस से लगातार अपनी जरूरत की चीजें खूब खरीद रहे हैं।

ताजे आंकड़े बताते हैं कि जुलाई, 2025 में रूस के पाइपलाइन से यूरोपीय देशों की गैस आपूर्ति में 37 फीसद की वृद्धि हुई है। यूरोपीय देशों का दावा कि उन्होंने रूस से कम ऊर्जा उत्पादों की खरीद की है, असलियत में पूरी तरह से गलत है। क्योंकि आंकड़ों में जो कमी दिख रही है वह इसलिए दिख रही है कि यूरोपीय देशों के ऊर्जा आयातकों को रूस को भुगतान करने में दिक्कत आ रही है।

क्यों भारत सरकार प्रतिबंधों पर गंभीर नहीं- भारत सरकार के पास अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की खरीद-बिक्री को लेकर उक्त सारे आंकड़े हैं यहीं वजह है कि विदेश मंत्रालय यूरोपीय संघ की तरफ से रूस से ऊर्जा खरीद पर नये प्रतिबंध लगाने की धमकी को बहुत गंभीरता से नहीं ले रहा है।

11 अगस्त से मेरी कोर्ट में तत्काल सुनवाई को लिए केस नहीं ला सकेंगे सीनियर वकील - CJI की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बी आर गवई से बुधवार, 6 अगस्त 2025 को साफ कर दिया कि 11 अगस्त से कोई भी सीनियर वकील उनकी अदालत में तत्काल सुनवाई के लिए मामले नहीं ला सकेगा। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे जूनियर वकीलों को ऐसा करने का मौका मिल सके।

सीजेआई गवई ने वकीलों की ओर से तत्काल लिस्टिंग और सुनवाई के लिए मामलों का मौखिक उल्लेख करने की प्रथा को दोबारा शुरू कर दिया था जिसे पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने बंद कर दिया था।

न्यायमूर्ति खन्ना ने वकीलों की ओर से मामलों की तत्काल सुनवाई और लिस्टिंग के लिए मौखिक सूचना देने की प्रथा को बंद करके, इसकी जगह ईमेल या लिखित पत्र भेजने को कहा था।

सीजेआई गवई ने कहा, ÷इस बात की पुरजोर मांग उठ रही है कि सीनियर वकीलों को किसी भी मामले में तत्काल सुनवाई के लिए मेंशन ना किया जाए।

उन्होंने अदालत के कर्मचारियों से कहा कि वे एक नोटिस जारी करें कि सोमवार से उनकी अदालत में किसी भी वरिष्ठ वकील को तत्काल लिस्टिंग और सुनवाई के लिए मामलों का लाने की इजाजत नहीं होगी।

सोमवार से किसी भी सीनियर वकील, किसी भी नामित सीनियर वकील को मामलों का उल्लेख करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। जूनियर वकीलों को ऐसा करने का मौका दिया जाना चाहिए।

ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में श्वष का एक्शन, दिल्ली-गुरुग्राम से लेकर देहरादून में 11 ठिकानों पर छापामारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को एक वैश्विक साइबर ठगी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली और तीन राज्यों में 11 ठिकानों पर छापेमारी की। यह ठगी 260 करोड़ रुपये की है। इस मामले में ठगों ने विदेशी और भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया है। ED ने दिल्ली पुलिस और केंद्रीय जांच ब्यूरो की FIR के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की। छापेमारी नोएडा (उत्तर प्रदेश), गुरुग्राम (हरियाणा), देहरादून (उत्तराखंड) और दिल्ली में हो रही हैं। ठगों ने खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर लोगों को गिरफ्तारी की धमकी देकर पैसे ऐंठे थे। इसके अलावा, उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के टेक सपोर्ट एजेंट बनकर भी लोगों को ठगा है।

क्रिप्टोकरेंसी के जरिए ठगी का जाल- फ्रॉड करने वालों ने पीड़ितों की संपत्ति को क्रिप्टोकरेंसी में बदला और फिर इसे कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में ट्रांसफर किया। श्वष्ठ के मुताबिक, आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये के बिटकॉइन जमा किए, जिन्हें बाद में UAE में कई हवाला ऑपरेटरों और व्यक्तियों के जरिए USDT में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया।

इससे पहले, 26 जून को CBI ने मुंबई और अहमदाबाद में छापेमारी कर एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह के अहम सदस्य को गिरफ्तार किया था। इस शख्स का नाम प्रिंस जशवंतलाल आनंद है। वह आम तौर पर अमेरिका और कनाडा के नागरिकों को निशाना बनाने वाले रैकेट का मास्टरमाइंड है।

मूकदर्शक नहीं बने रह सकते, पानी के लिए जातिगत भेदभाव पर HC ने पेश की मिसाल

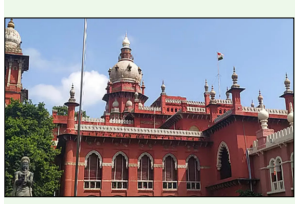

नई दिल्ली (एजेंसी)। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने एक ऐतिहासिक और दिल को छू लेने वाला फैसला सुनाया है। इस फैसले को पानी जैसे बुनियादी हक को जाति के आधार पर छीनने की सख्त निंदा की गई है।

कोर्ट ने पूरे तमिलनाडु में बराबरी के साथ पानी के बंटवारे का आदेश दिया है। यह आदेश जस्टिस डॉ. आरएन मंजुला ने तेनकासी जिले के थलाइवन्कोट्टई गांव में एक 65 साल की दलित महिला की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। उसने पानी के लिए हो रही जातिगत भेदभाव की शिकायत की थी।

पीएम मोदी ने किया कर्तव्य भवन का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बनने वाले कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया है। इंडिया गेट और राष्ट्रपति भवन के बीच मौजूद कर्तव्य भवन देश के सभी बड़े मंत्रालयों का गढ़ बनेगा। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय अब इसी जगह से ऑपरेट होंगे। आधुनिक तकनीकी से लेस इस इमारत में बड़ा वर्क स्पेस तैयार किया गया है।

कर्तव्य भवन का निर्माण पूरा होने के बाद साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक को खाली करवा दिया जाएगा। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय कर्तव्य भवन से ही चलेंगे। वहीं, साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक में युगे-युगीन भारत संग्रहालय बनाया जाएगा।

3 कर्तव्य भवन बनेंगे

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत 3 कर्तव्य भवनों का निर्माण होना है। आज पीएम मोदी ने कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया है। वहीं, शहरी विकास कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार कर्तव्य भवन 2 और कर्तव्य भवन 1 का काम भी जल्द ही पूरा हो जाएगा।

कर्तव्य भवन 3 में कितने मंत्रालय होंगे

कर्तव्य भवन 3 में कई बड़े मंत्रालयों को जगह मिली है। इनकी लिस्ट नीचे मौजूद है।

गृह मंत्रालय
विदेश मंत्रालय
ग्रामीण विकास मंत्रालय
स्वस्थ्य मंत्रालय
कार्मिक व प्रशिक्षण कार्य मंत्रालय
पेट्रोलियम एंव प्राकृतिक गैस मंत्रालय
प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय

कर्तव्य भवन 3 की खासियत

र्तव्य भवन 3 की बात करें को इस इमारत में कुल 7 फ्लोर हैं। यह भवन 1.50 लाख वर्ग मीटर में बना है। इसमें 600 गाड़ियों की पार्किंग की सुविधा भी मौजूद है। यहां वर्क हॉल, योगा, क्रैच, मेडिकल रूम, कैफे, 24 कॉन्फ्रेंस हॉल और 26 छोटे कॉन्फ्रेंस हॉल मौजूद हैं। इसके अलावा 67 मीटिंग रूम, 27 लिफ्ट और 2 स्वचालित सीढ़ियां भी हैं।

भारत से पंगा पाक को पड़ रहा महंगा, सिंधु नदी का 80 फीसदी पानी सूखा; 12 लाख लोग पलायन को मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के सिंधु डेल्टा पर मौजूद गांव को छोड़ने से पहले हबीबुल्लाह खट्टी अपनी मां को अंतिम विदाई देने के लिए उनकी कब्र पर जा रहे हैं।

यह वह इलाका है जहां सिंधु नदी अरब सागर में मिलती है। यहां मौजूद डेल्टा में समुद्र के जल की एंट्री किसानों और मछुआरों के पतन का कारण बना।

हबीबुल्लाह खट्टी ने एएफपी से बात करते हुए बताया कि खारो चान कस्बे के अब्दुल्ला मीरबहार गांव से लगभग 15 किलोमीटर दूर तक हमें खारे पानी ने घेर लिया है।

इसी वजह से यहां मछली पकड़ने के काम में कमी आई हमने सिलाई का काम शुरू कर दिया लेकिन अब यह भी मुश्किल हो गया है क्योंकि 150 घरों में से केवल चार ही बचे हैं।

खट्टी के मुताबिक, शाम के समय इलाके में अजीब-सा सन्नाटा छा जाता है, आवारा कुत्ते खाली पड़े लकड़ी और बांस के बने घरों में घूमते हैं। खारो चान में लगभग 40 गांव थे लेकिन समुद्र के बढ़ते पानी के कारण सब गायब हो गए हैं।

सिंधु डेल्टा क्षेत्र से 12 लाख से ज्यादा लोगों ने किया पलायन- आंकड़ों के मुताबिक, शहर की आबादी 1981 में 26,000 से घटकर 2023 में 11,000 रह गई है। खारो चान कस्बे से खट्टी अब अपने परिवार को कराची ले जाने की तैयारी कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से पाकिस्तान का बड़ा शहर है।

मछुआरा समुदायों के लिए काम करने वाले पाकिस्तान फिशरफोक फोरम का अनुमान है कि डेल्टा के तटीय जिलों से हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

हालांकि, पूर्व जलवायु परिवर्तन मंत्री के नेतृत्व वाले थिंक टैंक, जिन्ना इंस्टीट्यूट की ओर से मार्च में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, पिछले दो दशकों में पूरे सिंधु डेल्टा क्षेत्र से 12 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं।

80 फीसदी कम हुआ पानी का बहाव - यूएस-पाकिस्तान सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज इन वाटर के 2018 में किए गए एक स्टडी के मुताबिक, सिंचाई नहरों, जलविद्युत बांधों और जलवायु परिवर्तन के हिमनदों और बर्फ पिघलने पर पड़ने वाले प्रभावों के कारण 1950 के दशक से डेल्टा में पानी का बहाव 80 प्रतिशत कम हो गया है। इससे समुद्री जल का विनाशकारी अतिक्रमण हुआ है।

कहीं का ना रहा मसूद अजहर! ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुआ था जैश का हेडक्वार्टर, उसे फिर बनाने के लिए भीख मांग रहा सरगना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का हेडक्वार्टर पूरी तरह तबाह हो गया था। आतंकी मसूद अजहर के नेतृत्व वाला ये संगठन अब अपने उजड़े हुए ठिकाने को फिर से बसाने और आतंकियों की नई भर्ती और ट्रेनिंग के लिए फंड जुटाने की कोशिश में जुट गया है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर जैश-ए-मोहम्मद ने अपने मुख्यालय जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह के रिनोवेशन के लिए गुप्त दान मांगा है। इसमें कहा गया है कि इस अभियान की सफलता के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए।

बहावलपुर में जैश का हेडक्वार्टर- बता दें कि जैश-ए-मोहम्मद का हेडक्वार्टर पाकिस्तान के दक्षिणी पंजाब प्रांत में लगभग 100 किलोमीटर अंदर स्थित बहावलपुर में स्थित है। इसे जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह कहते हैं। 2015 से ही यहां पर आतंकियों की ट्रेनिंग और संचालन का काम किया जाता है। मसूद अजहर और उसके परिवार के अन्य सदस्य इसी स्थान पर रहते हैं।

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की जान ले ली थी। इसके बाद भारत की तरफ से 6 और 7 मई की आधी रात को पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की गई थी। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया था। इस स्ट्राइक में आतंकी मसूद अजहर के परिवार के कई सदस्यों की मौत हो गई थी।

जैश-ए-मोहम्मद का नाम 2001 में हुए संसद हमले, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले समेत कई बड़े आतंकी हमलों से जुड़ा है। खुद मसूद अजहर 26/11 के लिए वांछित है। मसूद को 1994 में भारत में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन एयर इंडिया आईसी 814 के बाद वह रिहा हो गया था।

ट्रंप को फोन क्यों करूं, मैं तो पीएम मोदी से बात करूंगा...,

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ब्राजील के बीच तनाव का तूफान उठ खड़ा हुआ है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस ऑफर को ठुकरा दिया, जिसमें ट्रम्प ने कहा था कि लूला उनसे कभी भी टैरिफ के मसले पर बात कर सकते हैं।

लूला ने साफ कहा कि वह ट्रम्प से बात नहीं करेंगे, बल्कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को फोन करेंगे। यह तनाव तब शुरू हुआ, जब अमेरिका ने ब्राजील पर 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया।

लूला ने टैरिफ लागू होने वाले दिन को दोनों मुल्कों के इतिहास का सबसे दुखद दिन बताया था। उन्होंने ब्रासीलिया में एक इवेंट में कहा कि ब्राजील अब विश्व व्यापार संगठन समेत हर मुमकिन रास्ता अपनाएगा ताकि अपने हितों की हिफाजत कर सके। लूला ने यह भी कहा कि उनकी सरकार पहले ही विदेशी व्यापार को मजबूत करने और ब्रिक्स देशों के साथ नए मौके तलाशने में जुट गई है। लूला ने साफ किया कि वह ट्रम्प से बात करने के मूड में नहीं हैं, क्योंकि ट्रम्प बातचीत के लिए तैयार नहीं। उन्होंने कहा, मैं शी चिनफिंग को फोन करूंगा, मैं पीएम मोदी को फोन करूंगा।

नेतन्याहू ने मुझे मरने के लिए छोड़ दिया, खुद अपनी कब्र खोद रहा इजरायली बंधक

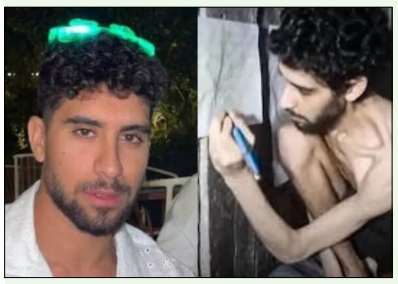

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास ने एक 24 साल के इजरायली बंधक एवियातार डेविड का वीडियो जारी किया है। डेविड एक तंग सुरंग में अपनी ही कब्र खोदते नजर आ रहे हैं। यह दिल दहला देने वाला दृश्य उन ताजा वीडियोज का हिस्सा है, जिसमें हमास ने भूख से कमजोर और पीले पड़ चुके इजरायली बंधकों को दिखाया है।

एवियातार और 21 साल के रोम ब्रास्लाव्स्की, दोनों ही कमजोर और बीमार हालत में वीडियो में रिहाई की गुहार लगाते दिख रहे हैं और आगाह करते हैं कि उनकी मौत बेहद करीब है। दोनों ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर मरता हुए छोड़ देने का आरोप लगाया है।

इसके बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार (3 अगस्त, 2025) को गाजा में बंधकों की सहायता के लिए रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति से मदद का अनुरोध किया।

मेरा बेटा टूट चुका है- हमास ने ये वीडियोज तब जारी किए, जब इजरायल के साथ युद्धविराम की बातचीत पिछले हफ्ते खत्म हो गई। इन वीडियोज ने इजरायल में गुस्सा और सदमा पैदा कर दिया है।

पाकिस्तान में बड़ा हादसा, यात्रियों से भरी बस बेकाबू होकर तालाब में गिरी; 2 की मौत और 13 घायल

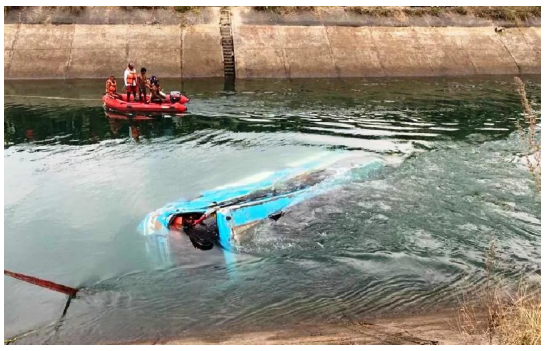

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के अहमदाबाद में एक दर्दनाक हादसा देखने को मिला। कई यात्रियों के भरी बस अचानक तालाब में पलट गई। मंगलवार को हुए इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 13 से अधिक लोग घायल हैं।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, बस गुजरांवाला से जफरवाल जा रही थी, तभी ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया और बस बेकाबू होकर तालाब में पलट गई।

चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन- इस हादसे के दौरान बस में मौजूद कई यात्री अंदर ही फंसे रह गए, जिन्हें रेस्क्यू ऑपरेशन के चलाकर बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही जिला आपातकाल अधिकारी मोहम्मद औरंगजेब मौके पर पहुंचे। तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया और सभी घायलों को बाहर निकाल लिया गया है।

2 की मौत और 13 घायल- हालांकि, इस हादसे में 30 वर्षीय शोएब और 38 वर्षीय सादिया बिबी की मौत हो गई। उनके शवों को भी बस से बाहर निकाला गया। हादसे में 13 लोग घायल थे, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

कैसे हुआ हादसा- स्थानीय लोगों के अनुसार, बस काफी तेज रफ्तार में थी और सड़क की हालत बदतर थी। ऐसे में बस का संतुलन बिगड़ गया और बस सड़क किनारे बने तालाब में जा गिरी। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

जब आसमान से आफत बनकर गिरा था अमेरिका का परमाणु बम, एक झटके में लाखों जिंदगियां हो गई तबाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। 6 अगस्त 1945... दुनिया के लिए यह वो काला दिन था, जब एक विनाशकारी परमाणु बम आसमान से आफत बनकर जापान के हिरोशिमा में गिरा और एक ही झटके में लाखों लोगों को निगल गया। इस बम धमाके ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। 1,40,000 लोगों की मौत के बाद जापान का एक पूरा शहर विरान हो गया था।

हिरोशिमा में इस भयंकर त्रासिदी का मंजर आज भी लोगों के रोंगटे खड़े कर देता है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के 2 बड़े शहरों नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया था, जिसका असर अब भी देखने को मिलता है। हिरोशिमा बम धमाके को आज 80 साल पूरे हो चुके हैं।

परमाणु आज भी सबसे बड़ा खतरा- इन 80 सालों में बेशक जापान का नाम विकसित देशों की फेहरिस्त में शुमार हो गया। मगर, दुनिया पर अभी भी परमाणु का खतरा बना हुआ है। कई देश आज भी परमाणु बम की धमकियां देते नजर आते हैं।

नोबेल पुरस्कार विजेता निहोन हिडानक्यो का कहना है- हमारे पास ज्यादा समय नहीं बचा है। दुनिया बहुत तेजी से परमाणु खतरे की तरफ बढ़ रही है। परमाणु बम वाले देशों को बदलना हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।

हिरोशिमा-नागासाकी परमाणु हमला- 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा में परमाणु बम गिराया, तो पलक झपकते ही 1 लाख 40 हजार से ज्यादा जिंदगियां मौत के घाट उतर गईं। इस घटना को 3 दिन ही बीते थे कि अमेरिका ने नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिरा दिया, जिसमें 70 हजार से ज्यादा लोग मारे गए।

व्हाइट हाउस की छत पर Nuclear Missile लगाएंगे ट्रंप, पत्रकारों के सवाल पर किया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को अप्रत्याशित रूप से व्हाइट हाउस के वेस्ट विंग की छत पर चहलकदमी करते दिखाई दिए। उन्होंने करीब 20 मिनट तक छत और नीचे के मैदान का जायजा लिया।

चहलकदमी के दौरान नीचे जमीन पर खड़े पत्रकारों ने सवाल किया, सर, आप छत पर क्यों हैं? ट्रंप ने जवाब दिया, थोड़ी सैर कर रहा हूं, यह सेहत के लिए अच्छा है।

ट्रंप के साथ कई लोग चल रहे थे, जिसमें 200 मिलियन डॉलर के बालरूम प्रोजेक्ट के आर्किटेक्ट जेम्स मैकक्रेरी भी शामिल थे। इस दौरान ट्रंप बार-बार छत और मैदान की ओर इशारा कर रहे थे। कई बार वह पत्रकारों के निकटतम कोने की ओर बढ़ते हुए उनके सवालों के जवाब भी दे रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि वह इस देश के लिए अपने पैसे खर्च करने का एक और तरीका देख रहे हैं। बाद में जब ट्रंप से पूछा गया कि वह क्या बनाने जा रहे हैं। उन्होंने मजाक में कहा, न्यूक्लियर मिसाइल्स।

छत पर यह अनपेक्षित सैर तब हुई जब ट्रंप पीपल्स हाउस के रूप में जाने जाने वाले स्थान पर एक स्थायी छाप छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ओवल ऑफिस को सुनहरे सजावट, चेरब्स, राष्ट्रपति की तस्वीरों और अन्य वस्तुओं के साथ काफी हद तक फिर से सजाया है और उत्तर और दक्षिण लान पर विशाल ध्वजपोल स्थापित किए हैं, ताकि अमेरिकी ध्वज फहराया जा सके।

बाप-बेटों के बीच झगड़ा सुलझाने गए पुलिसकर्मी की धारदार हथियार से हत्या, इलाके में हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में सोमवार देर रात एक पुलिसकर्मी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही शनमुगावेल की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। यह घटना तब हुई जब वो कुडिमंगलम में संपत्ति विवाद के सिलसिले में सूचना देने गए थे। संपत्ति एक स्थानीय अन्नाद्रमुक विधायक की बताई जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एसएसआई शनमुगावेल नाइट पेट्रोलिंग पर थे, इसी दौरान उन्हें झगड़े की सूचना मिली। सूचना मिलते ही शनमुगावेल घटना स्थल पर पहुंचे।

संपत्ति विवाद में बेटों ने पिता पर किया हमला- बताया जा रहा है कि संपत्ति विवाद को लेकर हुए झगड़े में एस्टेट कर्मचारी मूर्ति और उनके बेटों थंगापांडियन और मणिकंदन के बीच तीखी बहस हुई और इसी दौरान बेटों ने पिता पर हमला कर दिया।

एसएसआई शनमुगावेल ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव कर झड़प रुकवाई और घायल पिता को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस का इंतजाम किया।

बीच-बचाव कराने गए पुलिसकर्मी की धारदार हथियार से की हत्या- इसी दौरान थंगापांडियन से बात करते समय छोटे बेटे मणिशंकरन ने कथित तौर पर पुलिसकर्मी पर दरांती से हमला कर दिया। जिसके बाद पिता और बड़े बेटे ने भी एसएसआई शनमुगावेल पर हमला किया और उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

जांच के लिए एसआईटी की गठन- गनीमत रही कि एसएसआई शनमुगावेल का ड्राइवर भागकर जान बचाने में कामयाब रहा और उसने घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। फिलहाल तीनों आरोपी फरार हैं। मूर्ति और उसके बेटों को पकड़ने के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है।

किशनगढ़ एयरपोर्ट जमीन अधिग्रहण मामला- नहीं लिया सरकारी मुआवजा तो दिए हाजिर होने के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अजमेर अतिरिक्त जिला कलेक्टर वंदना खोरवाल के कक्ष पहुंचे जहां एडीएम के कक्ष बाहर बुधवार को अचानक सार्वजनिक घोषणा कराई गई। अदालत के नाजिर सुबह ही अपनी टीम के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और नोटिस चस्पा कर मुनादी बजवाई।

इससे कलेक्ट्रेट परिसर में अच्छी खासी भीड़ एकत्र हो गई। हर कोई एक दूसरे से एडीजे के कक्ष के बाहर मुनादी का कारण खोजने में एक दूसरे से चर्चा का जिज्ञासु नजर आया।

क्यों कराई गई सार्वजनिक घोषणा- मौके पर उपस्थित नाजिर ने बताया कि किशनगढ़ एयरपोर्ट की जमीन अवाप्ति के कब्जे से जुड़ा मामला है। उन्होंने बताया कि इस मामले में दो परिवादी मूल सिंह और जगजीत सिंह ने सरकार के दिए गए मुआवजे को लेने से इंकार किया था।

एसीजेएम ने दिए हाजिर होने के आदेश- इस मामले में दोनों परिवादियों का करोड़ों रुपए बकाया बताए जाते हैं। एसीजेएम ने इस मामले में पक्ष रखने के लिए एडीएम भूमि रूपांतरण को 8 अगस्त को हाजिर होने के आदेश दिए हैं।

बिलासपुर के NTPC में मेंटेनेंस के दौरान बड़ा हादसा, वर्कर्स के ऊपर गिरा भारी भरकम कूलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के सीपत में स्थित एनटीपीसी में बुधवार (06 अगस्त, 2025) को एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें एक वर्कर की मौत हो गई और 4 अन्य गंभीर रुप से घायल हो गए। फिलहाल राहत और बचाव का काम जारी है।

दरअसल, एनटीपीसी में बायलर के पास मेंटेनेंस का काम चल रहा था। इसी दौरान एक भारी भरकम कूलर वर्कर्स के ऊपर गिर गया, जिसमें पांच लोग दब गए। मौके पर मौजूद दूसरे वर्कर्स ने किसी तरह से इस कूलर को हटाया तो देखा पांच वर्कर्स दब गए हैं, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं।

अस्पताल ले जाते वक्त एक वर्कर की मौत- आनन फानन में इन वर्कर्स को अस्पताल पहुंचा गया। इनमें से दो को सिम्स रेफर किया गया, जिसमें से एक वर्कर की मौत अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई तो तीन का इलाज एनटीपीसी के अस्पताल में ही इलाज चल रहा है।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस- घटना की सूचना मिलने के बाद सीपत पुलिस की टीम और डीएसपी सिद्धार्थ बघेल मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। हादसा किस वजह से हुआ, इस बात की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है लेकिन हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सीएम स्टालिन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, तमिलनाडु में अपने नाम से चला सकेंगे योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को रद करते हुए सीएम के पक्ष में फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि स्टालिन अगर चाहें तो वो राज्य में अपने नाम से योजनाएं चला सकते हैं।

यह मामला तमिलनाडु सरकार की नई योजना उंगलुदन स्टालिन (आपका स्टालिन) से जुड़ा है। मद्रास हाईकोर्ट ने सीएम को योजना में अपना नाम शामिल करने पर रोक लगाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रद कर दिया है।

3 जजों की बेंच ने की सुनवाई- तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। तीन जजों की बेंच सीजेआई गवई, जस्टिस विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने मामले पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कई राज्यों में ऐसी योजनाएं आम हैं।

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, पूरे देश में राजनीतिक नेताओं के नाम पर योजनाएं चलाई जाती हैं। महज एक राजनीतिक दल और नेता इसका अपवाद क्यों बने? इस तरह की याचिका न सिर्फ कानूनी रूप से गलत है बल्कि कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग भी है।

मद्रास हाईकोर्ट ने सुनाया था फैसला- दरअसल अन्नाद्रमुक के सांसद सीवी षणमुगम ने इस योजना के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने योजना में सीएम के नाम पर आपत्ति जताई थी। इस पर फैसला सुनाते हुए मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि जीवित व्यक्तियों, पूर्व मुख्यमंत्रियों, पार्टी नेताओं और राजनीतिक दलों का नाम या तस्वीरों का इस्तेमाल सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में नहीं होना चाहिए।

अजमेर में सनसनीखेज वारदात, पति ने दीवार पर पत्नी का सिर पटक-पटक कर ली जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पति ने शराब के नशे में अपनी पत्नी का सिर दीवार में पटक-पटक कर उसकी जान ले ली। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

यह मामला अजमेर के क्लाक टावर पुलिस थाना क्षेत्र का है। मृतक महिला का नाम सीमा है। उसके पति लक्ष्मण ने शराब के नशे में सीमा को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

झगड़े के बाद ली जान- अजमेर जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को बताया कि घटना की सूचना मिलने पर क्लाक टावर पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला का पति शराब पीकर आए दिन झगड़ा करता था।

खून से लथपथ मिला सीमा का शव- मंगलवार को भी उसने शराब के नशे में झगड़ा किया था। इस दौरान पत्नी सीमा का सिर दीवार से पटक पटक कर उसको लहूलुहान कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस पहुंची तो सीमा का शव कमरे में पड़ा था।

दोनों की हुई थी दूसरी शादी

सूचना पर पुलिस ने शव बरामद कर जवाहरलाल नेहरू हॉस्पिटल के चीरघर में रखवा दिया। एफएसएल टीम से तमाम जांच कराई गई। मौके पर किसी भी तरह का धारदार हथियार बरामद नहीं हुआ है। परिवारजनों के अनुसार, सीमा आरोपी लक्ष्मण की दूसरी पत्नी थी। वहीं मृतका सीमा का यह दूसरा पति था।

बीजापुर में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, दोनों तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग; एक नक्सली ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार (06 अगस्त, 2025) को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। नक्सलियों के साथ गंगालू थानाक्षेत्र के जगलों में एनकाउंटर अभी भी जारी है। दोनों तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग की जा रही है।

इस ऑपरेशन को डीआरजी और एसटीएफ की टीमें अंजाम दे रही हैं। अभी तक एक नक्सली का शव बरामद किया गया है और हथियार भी बरामद हुए हैं। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी ने बताया कि जिले के पश्चिमी हिस्से के जंगल में उस समय मुठभेड़ शुरू हुई जब सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

अभियान अभी जारी- उन्होंने बताया कि अब तक घटनास्थल से एक हथियार सहित एक नक्सली का शव बरामद किया गया है। महानिरीक्षक ने बताया कि चूंकि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए आगे की जानकारी तुरंत नहीं दी जा सकती। इस कार्रवाई के साथ, इस साल छत्तीसगढ़ में अब तक मुठभेड़ों में 227 नक्सली मारे गए हैं, जिनमें से अधिकांश बस्तर संभाग में मारे गए हैं।

कई नक्सलियों के मारे जाने की संभावना- सुरक्षाबल अभी भी जंगल के अंदर मौजूद हैं और मुठभेड़ जारी है। इस ऑपरेशन को माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी के बाद लॉन्च किया गया। सूत्रों के मुताबिक, इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे की संभावना है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

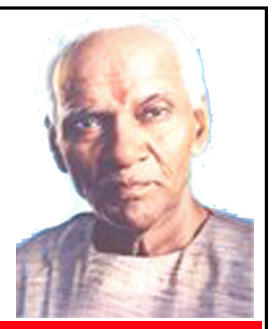

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृयोदशी

संपादकीय

भारतीय संगीत क्षेत्र सदियों पुराना मीठा सुरीला है...

वैश्विक स्तरपर भारतीय संगीत गीत फिल्मों को करीब-करीब पूरी दुनिया में पसंद किया जाता है। क्योंकि दुनिया में ऐसे कम ही देश होंगे, जहां मूल भारतीय ना बसते हों। भारतीय संगीत क्षेत्र सदियों पुराना मीठा सुरीला है। बस समय के साथ-साथ उसमें परिवर्तन होते होते आज डिजिटल इंडिया में संगीत क्षेत्र में भी नया इतिहास रचा जा रहा है, जो तारीफ़ ए काबिल है। हम अगर संगीत क्षेत्र में उप शेत्र गीतों में गौर करेंगे तो हमें नींद पर अनेक गीत मिलेंगे जो न केवल दशकों पुराने भी हैं, परंतु विविधता में एकता याने हर भाषा क्षेत्र में हमें नींद के संबंधमें गीत ज़रूर मिलेंगे उसमें भी हमें प्रेम प्रसंग के ऊपर यह गीत अधिक मिलेंगे, जैसे 1960 के दशक का गीत कभी रहती थी आंखों में नींद अब बसते हैं सांवरिया, 1990 का मुझे नींद ना आए मुझे चैन ना आए न जाने कहां दिल खो गया, से लेकर अभी 2025 तक हमें ऐसे हजारों लाखों में गीत मिलेंगे जहां नींद खोने की का केंद्रीय मुद्दा है। उसी तरह कहावतों में भी हमें रातों की नींद उड़ गई जैसे अनेक किस्से कहानियां कहावतें मिलेगी! इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि पर्याप्त नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्याएं महसूस हो सकती है। पर्याप्त नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की प्रक्रिया है। पर्याप्त नींद फ्रेश ऊर्जावान और अच्छी यादाश्त का टॉनिक भी है। इसलिए आओ चैन की नींद सोए।

साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद ना आने के कारणों की करें तो, आमतौर पर अनिद्रा का कारण तनाव व थकावट हो सकती है, लेकिन इसके कुछ निम्न कारण भी हो सकते हैं, हर रोज सोने के समय में बदलाव होना। दोपहर में सोना या झपकी लेना। सोते वक्त ज्यादा शोर होना या रूम में अधिक लाइट होना। व्यायाम न करना। सोते वक्त मोबाइल व टीवी जैसे उपकरणों का उपयोग करना। धूम्रपान करना। पूरे दिन कैफीन युक्त पदार्थों का अधिक सेवन करना। कुछ खास तरह की दवाइयों का सेवन करना।रात के वक्त काम करना। चिंता या तनाव। कुछ खास तरह के नींद संबंधी विकार।शरीर में कोई परेशानी होना या स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या होना जैसे - मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग, तनाव।जीवनशैली में बदलाव इत्यादि। अनिद्रा या उन्निद्र रोग (इनसॉम्निया) में रोगी को पर्याप्त और अटूट नींद नहीं आती, जिससे रोगी को आवश्यकतानुसार विश्राम नहीं मिल पाता और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बहुधा थोड़ी सी अनिद्रा से रोगी के मन में चिंता उत्पन्न हो जाती है, जिससे रोग और भी बढ़ जाता है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद सोना जरूरी है, लेकिन आजकल कई लोग अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं। इस बीमारी को अंग्रेजी में इंसोमनिया कहा जाता है। यह एक प्रकार का नींद संबंधी विकार है। इसमें व्यक्ति को सोने में असुविधा, नींद की कमी या नींद पूरी नहीं हो पाने की समस्या रहती है। ऐसा होने से स्वास्थ्य पर असर होता है और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। अनिद्रा के लक्षण यह भी हो सकते हैं, सोने की कोशिश करने पर भी नींद न आना, नींद आने पर भी थोड़ी देर में जागना या बार-बार नींद टूटने की शिकायत होना, नींद से उठने के बाद भी खुद को ताजा महसूस नहीं करना और सुस्ती आना, व्यक्ति खुद को अस्वस्थ महसूस करता है, अनिद्रा से ग्रस्त व्यक्ति हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और बहुत जल्दी गुस्सा हो जाता है, अनिद्रा से ग्रस्त व्यक्ति को चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं जल्दी घेर लेती है।

साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद ना करने के अल्पकालीन और दीर्घकालीन दुष्प्रभावों की करें तो, गहरी नींद नहीं होने से हम तनाव और मानसिक रोग के शिकार होते हैं, नींद पूरी नहीं होने से शरीर और दिमाग को आराम नहीं मिलता है जिससे बदन दर्द, अकड़न और थकावट जैसी परेशानी पैदा हो जाती है, अच्छी नींद नहीं होने पर पाचन तंत्र पर असर पड़ता है।

रबीन्द्रनाथ ठाकुर

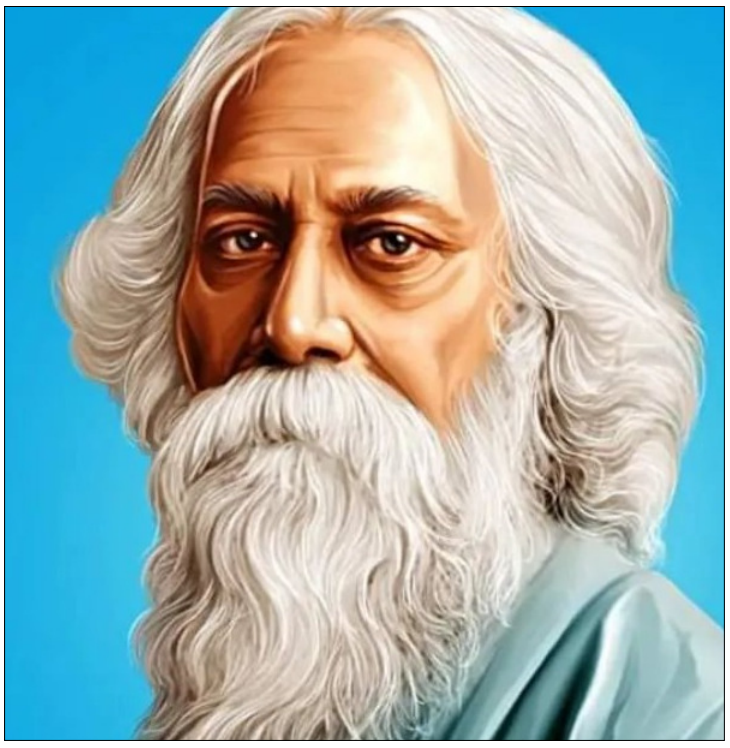

रबीन्द्रनाथ ठाकुर अथवा रबींद्रनाथ टैगोर एक बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार और चित्रकार थे। भारतीय संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ रूप से पश्चिमी देशों का परिचय और पश्चिमी देशों की संस्कृति से भारत का परिचय कराने में टैगोर की बड़ी भूमिका रही तथा आमतौर पर उन्हें आधुनिक भारत का असाधारण सृजनशील कलाकार माना जाता है।

जीवन परिचय- रबीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म 7 मई, 1861 कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) में देवेंद्रनाथ टैगोर और शारदा देवी के पुत्र के रूप में एक संपन्न बांग्ला परिवार में हुआ था। बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री टैगोर सहज ही कला के कई स्वरूपों की ओर आकृष्ट हुए जैसे- साहित्य, कविता, नृत्य और संगीत।

दुनिया की समकालीन सांस्कृतिक रुझान से वे भली-भाँति अवगत थे। साठ के दशक के उत्तरार्ध में टैगोर की चित्रकला यात्रा शुरू हुई। यह उनके कवित्य सजगता का विस्तार था। हालांकि उन्हें कला की कोई औपचारिक शिक्षा नहीं मिली थी उन्होंने एक सशक्त एवं सहज दृश्य शब्दकोश का विकास कर लिया था। श्री टैगोर की इस उपलब्धि के पीछे आधुनिक पाश्चात्य, पुरातन एवं बाल्य कला जैसे दृश्य कला के विभिन्न स्वरूपों की उनकी गहरी समझ थी।

शिक्षा- रबीन्द्रनाथ टैगोर की स्कूल की पढ़ाई प्रतिष्ठित सेंट ज़ेवियर स्कूल में हुई। टैगोर ने बैरिस्टर बनने की चाहत में 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन पब्लिक स्कूल में नाम दर्ज कराया। उन्होंने लंदन कॉलेज विश्वविद्यालय में क़ानून का अध्ययन किया लेकिन 1880 में बिना डिग्री हासिल किए ही वापस आ गए। रबीन्द्रनाथ टैगोर को बचपन से ही कविताएँ और कहानियाँ लिखने का शौक़ था। उनके पिता देवेन्द्रनाथ ठाकुर एक जाने-माने समाज सुधारक थे। वे चाहते थे कि रबीन्द्र बडे होकर बैरिस्टर बनें। इसलिए उन्होंने रबीन्द्र को क़ानून की पढ़ाई के लिए लंदन भेजा। लेकिन रबीन्द्र का मन साहित्य में ही रमता था। उन्हें अपने मन के भावों को काग़ज़ पर उतारना पसंद था। आख़िरकार, उनके पिता ने पढ़ाई के बीच में ही उन्हें वापस भारत बुला लिया और उन पर घर-परिवार की ज़िम्मेदारियाँ डाल दीं। रबीन्द्रनाथ टैगोर को प्रकृति से बहुत प्यार था। वे गुरुदेव के नाम से लोकप्रिय थे। भारत आकर गुरुदेव ने फिर से लिखने का काम शुरू किया।

रचनाएँ- रबीन्द्रनाथ ठाकुर एक बांग्ला कवि, कहानीकार, गीतकार, संगीतकार, नाटककार, निबंधकार और चित्रकार थे। जिन्हें 1913 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। टैगोर ने बांग्ला साहित्य में नए गद्य और छंद तथा लोकभाषा के उपयोग की शुरुआत की और इस प्रकार शास्त्रीय संस्कृत पर आधारित पारंपरिक प्रारूपों से उसे मुक्ति दिलाई। धर्म सुधारक देवेन्द्रनाथ टैगोर के पुत्र रबींद्रनाथ ने बहुत कम आयु में काव्य लेखन प्रारंभ कर दिया था। 1870 के दशक के उत्तरार्ध में वह इंग्लैंड में अध्ययन अधूरा छोड़कर भारत वापस लौट आए।

भारत में रबींद्रनाथ टैगोर ने 1880 के दशक में कविताओं की अनेक पुस्तकें प्रकाशित की तथा मानसी (1890) की रचना की। यह संग्रह उनकी प्रतिभा की परिपक्वता का परिचायक है। इसमें उनकी कुछ सर्वश्रेष्ठ कविताएँ शामिल हैं, जिनमें से कई बांग्ला भाषा में अपरिचित नई पद्य शैलियों में हैं। साथ ही इसमें समसामयिक बंगालियों पर कुछ सामाजिक और राजनीतिक व्यंग्य भी हैं।

दो-दो राष्ट्रगानों के रचयिता रवीन्द्रनाथ टैगोर के पारंपरिक ढांचे के लेखक नहीं थे। वे एकमात्र कवि हैं, जिनकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनीं- भारत का राष्ट्र-गान जन गण मन और बांग्लादेश का राष्ट्रीय गान आमार सोनार बांग्ला गुरुदेव की ही रचनाएँ हैं। वे वैश्विक समानता और एकांतिकता के पक्षधर थे। ब्रह्मसमाजी होने के बावजूद उनका दर्शन एक अकेले व्यक्ति को समर्पित रहा। चाहे उनकी ज़्यादातर रचनाएँ बांग्ला में लिखी हुई हों। वह एक ऐसे लोक कवि थे जिनका केन्द्रीय तत्त्व अंतिम आदमी की भावनाओं का परिष्कार करना था। वह मनुष्य मात्र के स्पन्दन के कवि थे। एक ऐसे कलाकार जिनकी रगों में शाश्वत प्रेम की गहरी अनुभूति है, एक ऐसा नाटककार जिसके रंगमंच पर सिर्फ़ ट्रेजडी ही ज़िंदा नहीं है, मनुष्य की गहरी जिजीविषा भी है। एक ऐसा कथाकार जो अपने आस-पास से कथालोक चुनता है, बुनता है, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि घनीभूत पीड़ा के आवृत्ति करे या उसे ही अनावृत करे, बल्कि उस कथालोक में वह आदमी के अंतिम गंतव्य की तलाश भी करता है।

सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ- सियालदह और शजादपुर स्थित अपनी ख़ानदानी जायदाद के प्रबंधन के लिए 1891 में टैगोर ने 10 वर्ष तक पूर्वी बंगाल (वर्तमान बांगला देश) में रहे, वहाँ वह अक्सर पद्मा नदी (गंगा नदी) पर एक हाउस बोट में ग्रामीणों के निकट संपर्क में रहते थे और उन ग्रामीणों की निर्धनता व पिछड़ेपन के प्रति टैगोर की संवेदना उनकी बाद की रचनाओं का मूल स्वर बनी। उनकी सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ, जिनमें दीन-हीनों का जीवन और उनके छोटे-मोटे दुख वर्णित हैं, 1890 के बाद की हैं और उनकी मार्मिकता में हल्का सा विडंबना का पुट है। जो टैगोर की निजी विशेषता है तथा जिसे निर्देशक सत्यजित राय अपनी बाद की फ़िल्मों में कुशलतापूर्वक पकड़ पाए हैं।

गल्पगुच्छ की तीन जिल्दों में उनकी सारी चौरासी कहानियाँ संग्रहीत हैं, जिनमें से केवल दस प्रतिनिधि कहानियाँ चुनना टेढ़ी खीर है। 1891 से 1895 के बीच का पाँच वर्षों का समय रवीन्द्रनाथ की साधना का महान् काल था। वे अपनी कहानियाँ सबुज पत्र (हरे पत्ते) में छपाते थे। आज भी पाठकों को उनकी कहानियों में हरे पत्ते और हरे गाछ मिल सकते हैं। उनकी कहानियों में सूर्य, वर्षा, नदियाँ और नदी किनारे के सरकंडे, वर्षा ऋतु का आकाश, छायादार गाँव, वर्षा से भरे अनाज के प्रसन्न खेत मिलते हैं। उनके साधारण लोग कहानी खत्म होते-होते असाधारण मनुष्यों में बदल जाते हैं। महान्ता की पराकाष्ठा छू आते हैं। उनकी मूक पीड़ा की करुणा हमारे हृदय को अभिभूत कर लेती है।

उनकी कहानी पोस्टमास्टर इस बात का सजीव उदाहरण है कि एक सच्चा कलाकार साधारण उपकरणों से कैसी अद्भुत सृष्टि कर सकता है। कहानी में केवल दो सजीव साधारण-से पात्र हैं। बहुत कम घटनाओं से भी वे अपनी कहानी का महल खड़ा कर देते हैं। एक छोटी लड़की कैसे बड़े-बड़े इंसानों को अपने स्नेह-पाश में बाँध देती हैं। क़ाबुलीवाला भी इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। रवीन्द्रनाथ ने पहली बार अपनी कहानियों में साधारण की महिमा का बखान किया।

रवीन्द्रनाथ की कहानियों में अपढ़ क़ाबुलीवाला और सुसंस्कृत बंगाली भूत भावनाओं में एक समान हैं। उनकी क़ाबुलीवाला, मास्टर साहब और पोस्टमास्टर कहानियाँ आज भी लोकप्रिय कहानियाँ हैं-लोकप्रिय और सर्वश्रेष्ठ भी और बनी रहेंगी। उनकी कहानियाँ सर्वश्रेष्ठ होते हुए भी लोकप्रिय हैं और लोकप्रिय होते हुए भी सर्वश्रेष्ठ हैं।

अपनी कल्पना के पात्रों के साथ रवीन्द्रनाथ की अद्भुत सहानुभूतिपूर्ण एकात्मकता और उसके चित्रण का अतीव सौंदर्य उनकी कहानी को सर्वश्रेष्ठ बना देते हैं जिसे पढ़कर द्रवित हुए बिना नहीं रहा जा सकता। उनकी कहानियाँ फ़ौलाद को मोम बनाने की क्षमता रखती हैं।

अतिथि का तारापद रवीन्द्रनाथ की अविस्मरणीय सृष्टियों में है। इसका नायक कहीं बँधकर नहीं रह पाता। आजीवन अतिथि ही रहता है। क्षुधित पाषाण, आधी रात में (निशीथे) तथा मास्टर साहब प्रस्तुत संग्रह की इन तीन कहानियों में दैवी तत्त्व का स्पर्श मिलता है। इनमें पहली क्षुधित पाषाण में कलाकार की कल्पना अपने सुंदरतम रूप में व्यक्त हुई है। यहाँ अतीत वर्तमान के साथ वार्तालाप करता है-रंगीन प्रभामय अतीत के साथ नीरस वर्तमान। समाज में महिलाओं का स्थान तथा नारी जीवन की विशेषताएँ उनके लिए गंभीर चिंता के विषय थे और इस विषय में भी उन्होंने गहरी अंतर्दृष्टि का परिचय दिया है।

संगीत- राष्ट्रगान (जन गण मन) के रचयिता टैगोर को बंगाल के ग्राम्यांचल से प्रेम था और इनमें भी पद्मा नदी उन्हें सबसे अधिक प्रिय थी। जिसकी छवि उनकी कविताओं में बार-बार उभरती है। उन वर्षों में उनके कई कविता संग्रह और नाटक आए, जिनमें सोनार तरी (1894; सुनहरी नाव) तथा चित्रांगदा (1892) उल्लेखनीय है। वास्तव में टैगोर की कविताओं का अनुवाद लगभग असंभव है और बांग्ला समाज के सभी वर्गों में आज तक जनप्रिय उनके 2,000 से अधिक गीतों, जो रबींद्र संगीत के नाम से जाने जाते हैं, पर भी यह लागू होता है।

कैसे मिलेंगे मृतक के बैंक खाते और लॉकर में जमा पैसे, जानें रकम निकालने का आसान तरीका

नई दिल्ली (एजेंसी)। RBI की मौद्रिक नीति समिति की बैठक का अंतिम दिन रहा। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने लोगों के काम आने वाले तीन पहलों की घोषणा की। इनमें से एक पहल किसी की मृत्यु के बाद उसके बैंक खाते और लॉकर्स में जमा पैसे के दावों का निपटारा कैसे हो इसके बारे में थी। इस बदलाव से मृतक ग्राहकों के कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए प्रक्रिया सरल और सुगम होने की उम्मीद है।

इसे देखते हुए हम आपको आज यदि किसी परिवार के सदस्य या करीबी व्यक्ति का निधन हो जाता है तो उसके बैंक के खाता, फिक्स्ड डिपॉजिट या लॉकर में जमा चीजें कैसे ली जाए इसके बारे में बताएंगे। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 18 अगस्त 2021 के सर्कुलर के अनुसार इसके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

1. बैंक की नीति और समय सीमा- हर बैंक को मृत ग्राहक के खाते और लॉकर के दावों के निपटारे के लिए बोर्ड-स्वीकृत नीति बनानी होती है। बैंक को दावा मिलने के बाद 15 दिनों के भीतर पैसे या लॉकर की सामग्री सौंपनी होगी, बशर्ते कि सभी दस्तावेज सही तरीके से जमा कर दिए जाएँ।

2. नामांकित व्यक्ति के आधार पर दावा- अगर खाते या लॉकर में नामांकन दर्ज है तो पैसा या लॉकर की सामग्री नामांकित व्यक्ति को दी जाएगी। लेकिन नामांकित व्यक्ति केवल ट्रस्टी (विश्वस्त) होता है। असली हक कानूनी उत्तराधिकारियों का ही रहता है।

क्या है प्रोसेस

दावा करने का फॉर्म भरना
मृत्यु प्रमाण पत्र जमा करना
पहचान प्रमाण देना

संयुक्त खाता के मामले में- अगर खाते में सर्वाइवरशिप क्लॉज है तो शेष राशि जीवित खाता धारक को दी जाएगी। उसे बैंक में लिखित अनुरोध देकर मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

बिना नामांकन वाले खाते - अगर खाते या लॉकर में नामांकन नहीं है तो कानूनी वारिसों को दावा करना होगा।

बिना नॉमिनी वाले खाते पर दावा की प्रक्रिया- दावा फॉर्म (जैसे PNB 46-47) भरना और सभी वारिसों के हस्ताक्षर

मृत्यु प्रमाण पत्र- उत्तराधिकार प्रमाणपत्र या प्रशासन पत्र

दावा फॉर्म को नोटरी या मजिस्ट्रेट से सत्यापित कराना

ग्रामीण क्षेत्रों में 5000 रुपये तक की राशि के लिए पंचायत प्रमुख (सरपंच) या स्थानीय प्राधिकरण से प्रमाणित दावा स्वीकार किया जा सकता है।

बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट की सौगात एक साथ, छोटा भीम और मोटू-पतलू जैसे गेम बनाने वाली कंपनी करने जा रही ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज ऑनलाइन गेमिंग कंपनी नज़ारा टेक्नोलॉजीज़ के शेयरधारकों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। दरअसल, कंपनी अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर देने जा रही है, साथ ही स्टॉक स्प्लिट पर पर भी विचार सकती है। एक्सचेंज को दी फाइलिंग में कंपनी ने इस बात की जानकारी दी। इसके बाद 6 अगस्त को नजारा टेक्नोलॉजीज के शेयर 2% से ज़्यादा चढ़ गए।

12 अगस्त को कंपनी की अहम बैठक होने वाली है, जिसमें पहली तिमाही के नतीजों के अलावा, कंपनी का बोर्ड बोनस शेयर जारी करने पर भी विचार करेगा। बीएसई और एनएसई पर इस घोषणा के बाद बुधवार को कंपनी के शेयर 2.41% बढ़कर 1,404 रुपये पर पहुँच गए और 1370 रुपये के आसपास क्लोज हुए।

नाज़ारा टेक्नोलॉजीज भारत में टॉप डायवर्सिफाई गेमिंग और स्पोर्ट्स मीडिया प्लेटफॉर्म है, जिसकी प्रजेंस भारत के अलावा अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका जैसे उभरते और विकसित वैश्विक बाजारों में है। यह कंपनी इंटरैक्टिव गेमिंग और ईस्पोर्ट्स मुहैया कराती है। इसके प्रमुख प्रोडक्ट्स वर्ल्ड क्रिकेट चैम्पियनशिप, छोटा भीम और मोटू पतलू जैसे गेम्स हैं।

किसी जमाने में दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला ने नजारा टेक्नोलॉजीज के शेयरों में बड़ा पैसा लगाया था।

भारत से क्यों चिढ़ रहे हैं ट्रंप? जानिए क्या हैं वो चार बड़े कारण जिनसे बौखलाए अमेरिका के राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई दिनों से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ वार को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अप्रैल में उन्होंने पूरे विश्व को टैरिफ की धमकी दी थी। फिर बीते महीने जुलाई के अंत में उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ का एलान कर दिया।

इसके बाद से ही अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार और सोने से लेकर हर एक चीज पर पड़ने वाले असर को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। कल यानी 5 अगस्त मंगलवार को डोनाल्ड ट्रंप एक इंटरव्यू के दौरान बौखलाए हुए दिखाई दिए। वे भारत पर रूस के साथ किए गए तेल व्यापार को लेकर कड़े शब्द बोले और ज्यादा टैरिफ लगाने की धमकी भी दी। लेकिन क्या ये गुस्सा रूसी तेल व्यापार को लेकर ही है या इसके पीछे कई और कारण भी है?

अमेरिका-भारत व्यापार- भारत और अमेरिका के बीच चल रहें व्यापार समझौते की कोशिश से ट्रंप चिड़ चुके हैं। इस समझौते के लिए दोनों देशों की तरफ से कई बार बैठक की गई है। वहीं ट्रंप भारत के डेयरी और कृषि क्षेत्र में नियंत्रण पाना चाहते थे। जिसके लिए भारत ने साफ इंकार कर दिया। वे चाहते थे कि भारत डेयरी और कृषि प्रोडक्ट में अमेरिका के लिए टैरिफ कम कर दें।

भारत के टैरिफ से परेशान- अमेरिका के राष्ट्रपति लंबे समय से भारत से टैरिफ को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। उन्होंने कई बार मीडिया के सामने बयान दिया है कि भारत अमेरिका पर कई गुना टैरिफ लगाता आया है। उन्होंने एक स्टेटमेंट में ये तक कहा है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाता हैष

भारत का रूस के साथ व्यापार बढ़ाना- भारत और रूस के रिश्ते हमेशा से अच्छे रहे हैं। वहीं अमेरिका और रूस के रिश्ते दुनिया से छिपे नहीं है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे विवाद के दौरान चीन के साथ भारत भी रूस से ऊर्जा खरीद रहा था, जिसकी ट्रंप ने आलोचना की है।

सोने का राजा है भारत का ये राज्य, यहां की जमीन के नीचे छिपा है सबसे बड़ा खजाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ऐसी धातु, जिसकी कीमत आए दिन नए-नए रिकॉर्ड बना रही है। इसकी बढ़ती मांग ने इसे कीमती धातुओं में से एक बना दिया है। ऐसा माना जाता है कि जिस देश के पास जितना सोना, वह उतना अमीर और शक्तिशाली होता है। भारत में भी सोने की बहुत मांग है। इसका अधिकतम इस्तेमाल आभूषणों में किया जाता है। भारत के अलग-अलग राज्यों में सोने के तरह-तरह के आभूषण बनाए जाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा की भारत के किस राज्य के पास सबसे अधिक गोल्ड रिजर्व और रिसोर्स हैं? आइए इन सवालों का जवाब जानते हैं।

आगे बढ़ें इससे पहले यह जान लेते हैं कि गोल्ड रिजर्व और गोल्ड रिसोर्स में क्या अंतर है। गोल्ड रिजर्व ऐसे चिन्हित भंडार हैं जिनका खनन वर्तमान तकनीक और बाजार स्थितियों के अनुसार आर्थिक रूप से संभव है। यानी जिस सोने को हम निकाल सकते हैं। वहीं, गोल्ड रिसोर्स सभी चिन्हित भंडारों को शामिल करते हैं, जिनमें वे भी शामिल हैं जिनका खनन वर्तमान में आर्थिक रूप से संभव नहीं है।

इस राज्य के पास है सबसे अधिक गोल्ड रिजर्व- PIB की 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में कर्नाटक के पास सबसे अधिक गोल्ड रिजर्व है। 2020 तक कर्नाटक के पास 20470000 टन का गोल्ड रिजर्व था।

400 करोड़ की कंपनी को मिला 176826540 रुपये का ऑर्डर, सेना को करनी होगी मशीन गन से जुड़ी सप्लाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 408 करोड़ की मार्केट कैप वाली एक कंपनी को भारतीय सेना के लिए एक बड़ा ऑर्डर मिला है। दरअसल, लोकेश मशीन्स लिमिटेड को रक्षा मंत्रालय से एमएमजी (गन मशीन 7.62 मिमी मैग) के लिए मोडिफिकेशन किट की सप्लाई करने का ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर की कुल वैल्यू 17,68,26,540 है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बाजार और निवेशकों को यह जानकारी दी है। कंपनी को यह ऑर्डर 12 महीने के अंदर पूरा करना है।

एक साल से नेगेटिव रिटर्न दे रहा शेयर- लोकेश मशीन्स लिमिटेड के शेयर पिछले एक साल से नेगेटिव रिटर्न दे रहे हैं। इस दौरान यह स्टॉक 47 फीसदी तक टूट गया है। हालांकि, पिछले 5 सालों में यह स्टॉक मल्टीबैगर साबित हुआ है क्योंकि इसने करीब 800 प्रतिशत रिटर्न दे दिया है। शेयर का मौजूदा भाव 1370 रुपये है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार लगातार सेना को और मजबूती देने के लिए रक्षा सौदे कर रही है। 5 अगस्त को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने सेना के तीनों विंग के लिए करीब 67000 करोड़ रुपये के हथियार खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

इन डिफेंस इकिक्यूपमेंट में थर्मल इमेजर और नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चर्स की खरीद को मंजूरी दी गई है. वहीं, इंडियन एयरफोर्स को माउंटेन रडार और SAKSHAM/SPYDER वेपन सिस्टम के अपग्रेड के लिए मंजूरी मिली है।

क्या है कंपनी का कारोबार- लोकेश मशीन्स खास काम के लिए इस्तेमाल आने वाली मशीनें, सामान्य मशीनें / सीएनसी लेथ, कनेक्टिंग रॉड और सिलेंडर ब्लॉक और हेड मशीनिंग बनाती है।

मुकेश अंबानी के पड़ोसी का डूब रहा धंधा, प्रॉफिट घटकर रह गया आधा, शेयर ने लगाई डुबकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेमंड रियल्टी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 52 प्रतिशत घट गया। इसका प्रॉफिट गिरकर रह गया 17 करोड़ रुपये। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जनू) तिमाही में कंपनी का मुनाफा 34 करोड़ रुपये था। वहीं तिमाही में कंपनी की सेल्स बुकिंग में भारी गिरावट आई और यह एक साल पहले की समान तिमाही के 611 करोड़ रुपये से घटकर 306 करोड़ रुपये रह गई।

मुंबई स्थित यह कंपनी पिछले महीने रेमंड लिमिटेड से अलग होने के बाद घरेलू बाजारों में लिस्ट हुई।

शेयर ने लगाई डुबकी- कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में इसकी कुल इनकम भी 21 प्रतिशत घटकर 392 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 498 करोड़ रुपये थी। कंपनी के मुताबिक ये आंकड़े रेमंड से अलग होने के बाद समान तुलना पर आधारित हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

प्रदेश में बाघ तो बढ़े... पर जंगल घटे, अब गांवों को खाली कराना ही एकमात्र रास्ता

उमरिया। मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या में इजाफा तो हो रहा है, लेकिन उनके प्राकृतिक आवास यानी जंगल सिकुड़ते जा रहे हैं। कारण है जंगल के भीतर बसे सैकड़ों गांव, जो न सिर्फ जगह घेर रहे हैं, बल्कि जंगल के संतुलन को भी प्रभावित कर रहे हैं।

अब तक राज्य के टाइगर रिजर्व क्षेत्रों से 200 से अधिक गांवों को विस्थापित किया जा चुका है। बावजूद इसके, इतने ही गांव अभी भी जंगलों के भीतर बसे हुए हैं। इनके कारण बाघों को उनके लिए जरूरी क्षेत्रफल नहीं मिल पा रहा है। साथ ही, इन गांवों की वजह से घास के मैदान विकसित नहीं हो पा रहे हैं, जो शाकाहारी वन्य जीवों के लिए जरूरी हैं।घास के मैदान क्यों जरूरी हैं?

जंगल के अंदर जब घास के मैदान नहीं बनते, तो शाकाहारी प्राणियों की संख्या कम हो जाती है, जिससे बाघ जंगल के कोर जोन से बाहर आकर गांवों की ओर बढ़ते हैं। वहां वे मवेशियों का शिकार करते हैं, जिससे मानव-पशु संघर्ष बढ़ता है।

वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट डॉ. राकेश शुक्ला के अनुसार, जब तक जंगल के अंदर बसे गांवों को पूरी तरह से हटाया नहीं जाता, तब तक बाघों को उनका आवश्यक क्षेत्र नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी हाल ही में यह स्पष्ट किया कि राज्य सरकार विस्थापन प्रक्रिया को तेज करेगी और इसके लिए धन की कोई कमी नहीं होगी।

सबसे ज्यादा प्रभावित टाइगर रिजर्व-पन्ना टाइगर रिजर्व में सबसे ज्यादा गांव बसे हैं। बांधवगढ़ के कोर जोन में 10 गांव हैं। पेंच टाइगर रिजर्व में 44, संजय टाइगर रिजर्व में 34, वीरांगना रानी दुर्गावती में 81 और कान्हा में 8 गांव अब भी मौजूद हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े?-प्रदेश में 9 टाइगर रिजर्व हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश की कोर और बफर जोन में गांव बसे हैं। उदाहरण के तौर पर, बांधवगढ़ में 165, कान्हा में 129, पेंच में 123 और सतपुड़ा में 62 बाघ हैं।

कुबेरेश्वर धाम में फिर दो श्रद्धालुओं की मौत, भीषण गर्मी बनी काल

सीहोर। कुबेरेश्वर धाम में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान बुधवार को दो और श्रद्धालुओं की मौत की खबर सामने आई है। मृतकों की पहचान चतुर सिंह 50 वर्ष पिता भूरा, निवासी पांचवल गुजरात और ईश्वर सिंह 65 वर्ष निवासी रोहतक हरियाणा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, चतुर सिंह की मृत्यु कुबेरेश्वर धाम परिसर में अचानक खड़े-खड़े चक्कर आने और गिरने से हुई, वहीं ईश्वर सिंह होटल के सामने खड़े थे, जब वे अचानक गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।दो महिला श्रद्धालुओं की मौत इससे पहले मंगलवार को भी दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। अब उनकी पहचान जसवंती बेन 56 वर्ष पत्नी चंदू भाई निवासी ओम नगर, राजकोट गुजरात और संगीता गुप्ता 48 वर्ष पत्नी मनोज गुप्ता निवासी फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश के रूप में की गई है।

चारों मौतों की वजह अत्यधिक भीड़, गर्मी और अव्यवस्था मानी जा रही है। श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में पहुंच गई है, जिसके चलते प्रशासन के लिए स्थिति संभालना चुनौतीपूर्ण बनता जा रहा है। इसके अलावा सुनीता 50 वर्ष निवासी जमनानगर हरियाणा घायल हो गई।

निर्देश के बाद भी सिविल सर्जन गायब 6 अगस्त को निकलने वाली कांवड़ यात्रा में देशभर से लाखों लोग पहुंचे हैं, ऐसे में जिला अस्पताल में स्वास्थ्य अमला तो दूर, दो बजे सिविल सर्जन भी अस्पताल में नहीं मिले। अपनी मां का इलाज करने पहुंचे ईश्वर ने बताया कि वह इंदौर से आए हैं, लेकिन जिला अस्पताल में इलाज की सुविधा नहीं मिली। जब वह 2.30 बजे सिविल सर्जन को शिकायत करने पहुंचे तो पता चला कि वह अस्पताल में नहीं है।

बाजार करके लौट रहे व्यापारी से बंदूक की नोक पर लूटपाट, हवाई फायरिंग कर भागे बदमाश

शहडोल। जिले के गोहपारु थाना क्षेत्र के खनौधी की बाजार करके लौट रहे व्यापारी अनिल कुमार सोनी के साथ रास्ते में बंदूक की नोक पर लूट-पाट हो गई है। चार बदमाश लूटपाट करके भाग गए हैं। इसके बाद पुलिस पहुंची तो बंदूक से चली गोली के पांच खोखे जब्त किए और जांच की जा रही है। यह घटना मंगलवार की रात 8.00 बजे की है। गोहपारु पुलिस के अनुसार रतहर निवासी अनिल कुमार सोनी अपने पुत्र के साथ खनौधी बाजार करके मोटरसाइकिल से वापस घर लौट रहे थे। रात तकरीबन 8.00 बजे वह जैसे ही मलदा गांव में क्रेशर के पास पहुंचे, तभी एक बिना नंबर की पल्सर मोटर साइकिल में सवार चार बदमाश आए और व्यापारी की मोटर साइकिल के आगे अपनी मोटरसाइकिल अड़ा दिया।हवाई फायरिंग कर भागे बदमाश इसके बाद बंदूक की नोक पर लूट-पाट करके भाग गए। व्यापारी अनिल कुमार सोनी ने पुलिस को बताया कि वह गिलिट और चांदी के बने आभूषण व सामान की बिक्री के लिए बाजारों में दुकान लगाते हैं।

प्रदेश में साइंस ऑन व्हील्स से मिलेगा बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा, रोक रहा बाल विवाह-अंधविश्वास

शहडोल। मध्यप्रदेश के जनजातीय जिलों में अब विज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को रोकने का मजबूत हथियार बन चुका है।

शहडोल जिले के शिक्षक संतोष कुमार मिश्रा की अनोखी पहल साइंस ऑन व्हील्स न सिर्फ ग्रामीण बच्चों में वैज्ञानिक सोच जगा रही है, बल्कि समाज में गहराई से जमी कुप्रथाओं के खिलाफ जागरूकता की अलख भी जगा रही है।

शहडोल जिला, जहां आज भी कई ग्रामीण इलाकों में झाड़-फूंक, दागना और बाल विवाह जैसी परंपराएं प्रचलित हैं, वहां शिक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने 'साइंस ऑन व्हील्स' की शुरुआत की। इस पहल का मकसद था विज्ञान को कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकालकर गांव-गांव तक पहुंचाना।साइंस ऑन व्हील्स' के अंतर्गत एक चलती-फिरती साइंस वैन के ज़रिए स्कूल, खेत, गांव और छात्रावासों में जाकर विज्ञान की बेसिक और दिलचस्प जानकारी दी जाती है। इसमें बच्चों को विज्ञान के प्रयोग करवाए जाते हैं और उन्हें साइंस एंबेस्डर बनाया जाता है, ताकि वे अपने घर और समाज में वैज्ञानिक सोच फैला सकें।

इस पहल की सबसे खास बात यह रही कि इसने बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा दिया। जब ग्रामीण इलाकों की बच्चियों ने इन विज्ञान गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू किया, तो अभिभावकों को भी यह समझ में आने लगा कि उनकी बेटियां भी होशियार हैं। परिणामस्वरूप कई बच्चियों का बाल विवाह टला और वे स्कूल में बने रहने लगीं।

'साइंस ऑन व्हील्स' सिर्फ पढ़ाई का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह बेटियों को आत्मविश्वासी, जागरूक और स्वतंत्र सोच वाला नागरिक बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। अभिभावकों के साथ संवाद कर उन्हें बेटियों की शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें यह बताया गया कि झाड़-फूंक, दागना जैसी परंपराएं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से गलत हैं और इनसे दूर रहना चाहिए।

मध्यप्रदेश के सतना में शहीद स्मारक से की बंदूक चोरी... असामाजिक तत्वों की शर्मनाक हरकत से गांव में बढ़ा आक्रोश

सतना। सतना जिले के नागौद तहसील स्थित ग्राम सेमरी में एक बार फिर असामाजिक तत्वों ने देशभक्ति और शहीद सम्मान को ठेस पहुंचाई है। गांव में स्थित शहीद स्मारक, जो कि सीआरपीएफ के बलिदानी सब इंस्पेक्टर मनमोहन सिंह की याद में बनाया गया था, वहां से उनकी प्रतीकात्मक बंदूक चोरी कर ली गई है। यही नहीं, स्मारक पर रखी उनकी टोपी भी हटा दी गई, जो पास में जमीन पर पड़ी मिली।

यह घटना मंगलवार को सामने आई जब ग्रामीणों ने स्मारक को खंडित हालत में देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। नागौद थाना प्रभारी अशोक पांडे मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि दोषियों की जल्द पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीणों का कहना है कि यह स्मारक न सिर्फ शहीद की वीरता का प्रतीक है

बल्कि गांव के गौरव का भी हिस्सा है। इस तरह की घटना उनके आत्मसम्मान और राष्ट्र की अस्मिता पर चोट जैसी है। उन्होंने प्रशासन से स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

इससे पहले अक्टूबर 2020 में भी स्मारक से बंदूक और टोपी चोरी हो गई थी। इसके बाद दोनों चीजों को दोबारा स्थापित किया गया था। परंतु स्मारक गांव से कुछ दूरी पर एकांत में स्थित है, जिससे असामाजिक तत्वों को ऐसी हरकत करने का मौका मिल जाता है।

पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि शहीद स्मारकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए।

टमाटर बना लाल सोना! 3 दिन में दाम दोगुने, जनता हुई हैरान

इंदौर। इंदौर सहित देशभर में टमाटर एक बार फिर अपने बढ़ते दामों को लेकर चर्चा में आ गया है। कुछ दिन पहले तक जो टमाटर 15 से 20 रुपए प्रति किलो में मिल रहा था, वही अब 50 से 80 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। केवल तीन दिन में दामों में इतनी तेजी आने से आम नागरिक हैरान हैं। मंडी व्यापारी बंटी शर्मा ने बताया कि बेंगलुरु, महाराष्ट्र के संगमनेर और नारायण गांव से देशभर में टमाटर की सप्लाई हो रही है। फसल कमजोर होने, बारिश व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मांग बढ़ने और आवक घटने के चलते यह अचानक मूल्यवृद्धि हुई है। इंदौर की मंडी में जहां रोज 18 से 20 गाड़ियां टमाटर की आ रहीं थीं, वहीं अब यह संख्या घटकर सिर्फ 12 से 15 रह गई है। इससे थोक बाजार में टमाटर का भाव 35 से 40 रुपए किलो तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सितंबर में नई फसल आने तक टमाटर के दामों में गिरावट के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

रासायनिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग बना मुसीबत- टमाटर की फसल में अचानक आई गिरावट के पीछे वैज्ञानिक कारण भी सामने आ रहे हैं। टमाटर उत्पादक किसानों का कहना है कि इस बार फसल से 50 दिन तक उपज की उम्मीद थी, लेकिन पौधों से मात्र 25 से 30 दिन में ही उत्पादन कम होने लगा। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, अधिक उत्पादन के लालच में किसानों ने अत्यधिक मात्रा में रासायनिक दवाइयों का उपयोग किया, जिससे मिट्टी की उर्वरकता प्रभावित हुई है। इसी कारण टमाटर के पौधों में फल देर तक टिक नहीं पाए और उत्पादन में भारी गिरावट आई। यह स्थिति केवल इंदौर ही नहीं, बल्कि अन्य उत्पादक क्षेत्रों में भी देखने को मिल रही है।

स्थानीय सब्जियों की बंपर आवक, कई के दाम सस्ते- मटर की बढ़ती कीमतों के बीच इंदौर मंडी में अन्य सब्जियों की जोरदार आवक से राहत की खबर भी है। सबसे ज्यादा आवक खीरा और ककड़ी की हो रही है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 50 ट्राले निमाड़ क्षेत्र से मंडी में पहुंच रहे हैं। इंदौर की बड़ी सब्जी मंडियों में खीरा-ककड़ी 5 से 7 रुपए किलो, मिर्ची बेस्ट क्वालिटी 50 से 60 रुपए किलो, भुट्टा देसी 5 से 10 रुपए और अमेरिकन भुट्टा 10 से 15 रुपए किलो बिक रहा है। इसके अलावा बैंगन 3 से 6 रुपए, लौकी 8 से 10, भिंडी 20 से 25, गिलकी 15 से 20, चवलाफली और गाजर 15 से 20, मैथी 25 से 30, पालक और धनिया 15 से 40 तथा चतुरफली 50 से 60 रुपए किलो बिक रही है। चोइथराम थोक मंडी में यह सभी भाव वर्तमान में चल रहे हैं।

बरसात में आई तेजी तो सब्जियों पर पड़ेगा असर- इन दिनों मंडी में हरी सब्जियों की भरपूर आवक देखने को मिल रही है, जिससे कीमतें संतुलित बनी हुई हैं। लेकिन यदि बारिश की गति तेज होती है और लगातार चलती रही, तो यह आवक प्रभावित हो सकती है। बारिश से खेतों में पानी भरने की स्थिति में फसलें प्रभावित होंगी और सप्लाई घटेगी, जिससे सब्जियों के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। फिलहाल मंडी में सब्जियों का अच्छा स्टॉक मौजूद है, लेकिन मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए व्यापारी और ग्राहक दोनों ही आशंकित नजर आ रहे हैं।

महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम के संबंध में शासकीय/ अशासकीय कार्यालयों में आंतरिक परिवाद समिति का गठन होगा

इंदौर। महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोषण) अधिनियम 2013 के नियम 04 के अनुसार शासकीय/अशासकीय कार्यालयों में आंतरिक परिवाद समिति का गठन किया जायेगा।

यह गठन ऐसे समस्त शासकीय/अशासकीय कार्यालयों में होगा, जहां 10 या 10 से अधिक अधिकारी/कर्मचारी कार्यरत है। आंतरिक परिवाद समिति गठित नहीं होने पर पचास हजार रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा ने बताया कि आंतरिक परिवाद समिति में एक पीठासीन अधिकारी (वरिष्ठ स्तर की महिला), कम से कम दो सदस्य जो महिलाओं की समस्याओं के लिए प्रतिबद्ध है या समाज सुधार कार्य का अनुभव या विधिक ज्ञान रखते है।

गैर-सरकारी संगठनों का एक सदस्य जो महिलाओं की समस्याओं के प्रतिबद्ध है या ऐसा कोई व्यक्ति जो लैंगिक उत्पीड़न संबंधी मुद्दों से परिचित रहेंगे। समिति में कम-से-कम आधे सदस्य महिलाएँ होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि यदि किसी महिला के साथ शासकीय/ अशासकीय कार्यालयों/ संस्था आदि में किसी तरह का यौन उत्पीड़न होता है तो गठित आंतरिक परिवाद समिति में शिकायत दर्ज की जा सकती है। साथ ही लैंगिक उत्पीड़न के संबंध में She Box पोर्टल प्रारंभ किया गया है। उक्त पोर्टल पर कार्यालय के नोडल अधिकारी की जानकारी फीड की जाना है।

पॉक्सो अधिनियम पर कार्यशाला 7 अगस्त को

इंदौर। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पोक्सो अधिनियम) विषय पर जागरूकता और प्रशिक्षण के लिए मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा 7 अगस्त (गुरुवार) को एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे।

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया तथा बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्री द्रविंद्र मोरे उपस्थित रहेंगे।

कार्यशाला में पूरे प्रदेश से महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पुलिस तथा जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पोक्सो अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों पर अधिकारियों को संवेदनशील बनाना और उन्हें विधिक जानकारी व प्रशिक्षण प्रदान करना है। कार्यशाला में बाल संरक्षण के क्षेत्र में नीति निर्धारण से लेकर जमीनी कार्यान्वयन तक की प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने पर भी मंथन किया जाएगा।

नागरिकों की समस्याओ का हुआ निराकरण

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में प्रति मंलगवार की तरह इस मंगलवार भी आज जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण किया गया। जिन आवेदनों का निराकरण नहीं हुआ, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। कलेक्टर कार्यालय में आज मुख्य रूप से अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल ने नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया।

जनसुनवाई में एक आवेदक द्वारा बताया गया कि उसने अपना मकान 2 वर्ष पहले एक व्यक्ति को किराए पर दिया था, किरायेदार द्वारा पिछले कई महीनों से किराया नहीं दिया जा रहा है। अपर कलेक्टर श्री बैनल द्वारा संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। काजी पलासिया पंचायत के कुछ रहवासी आवेदन लेकर आए थे कि उनके क्षेत्र में ड्रेनेज की समस्या उत्पन्न हो रही है, वहां के रास्ते से आने जाने में दिक्कत हो रही है। अपर कलेक्टर ने इसके लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा वहां सड़क बनाने और उसके चौड़ीकरण के बाद नाली बनाने की जानकारी आवेदकों को दी। ऐसा ही एक आवेदक जलोदिया पंचायत का भी आया जिनके क्षेत्र में जल निकासी की समस्या थी, जिसके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारी को दूरभाष पर समस्या के जल्द निराकरण के निर्देश दिए गए। एक आवेदक ने बताया कि नियोजक संस्थान द्वारा उसका वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है। श्री बैनल ने श्रम विभाग के अधिकारी को तथा संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को उस संस्थान से नियमानुसार वेतन दिलाने के निर्देश दिए।

गैस सुरक्षा पर सख्ती- रिहायशी क्षेत्र में अवैध रिफिलिंग पकड़ी गई, 14 गैस सिलेंडर सहित मोटर जप्त

इंदौर। इंदौर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध क्रय?-विक्रय, भण्डारण और अवैध उपयोग करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में विशेष अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में आज द्रविड़ नगर रिहायशी क्षेत्र में अवैध रिफिलिंग का मामला पकड़ा गया है। खाद्य विभाग के अमले द्वारा की गई इस कार्रवाई में 14 गैस सिलेंडर सहित मोटर और अन्य उपकरण जप्त किये गए हैं। संबंधित आरोपी के विरूद्ध प्रकरण भी दर्ज कर लिया गया है।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग एवं अवैध भंडारण, रिफिलिंग बिक्री पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आज इस अभियान के तहत संयुक्त निरीक्षण दल के सदस्यों सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री शिव सुंदर व्यास, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री महादेव मुवेल, श्री राहुल शर्मा एवं सुश्री सुचिता दुबे द्वारा द्रविड़ नगर स्थित मकान नंबर 42 की जांच की गई।

जांच के दौरान उक्त घर के प्रथम तल में 4 घरेलू गैस सिलेंडरसीलबंद एवं घर के द्वितीय तल में 03 घरेलू गैस सिलेंडर (क्षमता 14.2 किलो कंपनी इण्डेन) खाली, 05 व्यवसायिक गैस सिलेंडर (क्षमता 19 किलो कंपनी इण्डेन खाली), 02 व्यवसायिक गैस सिलेंडर (क्षमता 19 किलो) सीलबंद पाए गए। मौके पर घरेलू गैस सिलेंडर से व्यावसायिक गैस सिलेंडर में गैस अंतरण का कार्य किया जाना पाया गया।

मंत्री श्री सिलावट ने दो बच्चों की डूबने से हुई दुखद मृत्यु पर व्यक्त किया शोक

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में दो बच्चों की डूबने से हुई मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मंत्री श्री सिलावट ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने बताया कि घटना में मृत हुए दोनों बच्चों कालंदी गोल्ड सिटी भागिया के दिव्यांशु बुधोरिया उम्र (11) वर्ष पिता श्री जितेन्द्र बुधोरिया तथा कुलदीप मुगाटे उम्र (12) वर्ष पिता श्री अनिल मुगाटे के परिजनों को शासन द्वारा चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की जा रही है। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से दुखद घटना के संबंध में जानकारी दी गई। वहीं शासन पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल
श्री संजय ज्ञानी संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

जिले में हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत सभी शासकीय कार्यालयों पर स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराया जाए - कलेक्टर

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा बुधवार को समयावधी पत्रों की समीक्षा बैठक प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर सभागृह में की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने प्रदेश में संचालित किए जा रहे ''हर घर तिरंगा अभियान'' के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिका?रियों को दिए । बैठक में अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक जन जागरण अभियान चलाए जाने, स्वच्छ एवं सुजल ग्राम की अवधारणा पूर्ण करने, अमृत सरोवरों पर ध्वजारोहण करने, संपूर्ण जिले में स्वच्छता अभियान चलाने, सभी शासकीय भवनों पर अनिवार्य रूप से ध्वजारोहण करने के साथ फ्लेग कोड के अनुसार शाम को ध्वज को ससम्मान उतारने के निर्देश दिए । हर घर तिरंगा अभियान के पोर्टल पर सभी विभागों को अपनी गतिविधियां अपलोड करने के निर्देश भी दिए । हर घर तिरंगा अभियान का प्रथम चरण 02 से 08 अगस्त तक

आयोजित किया जाएगा ।

इसके पश्चात अभियान के दूसरे चरण में 09 से 12 अगस्त के मध्य रेली, साईकल रेली, जन जागरुकता रेली का आयोजन किया जाएगा । इसके पश्चात अभियान के तीसरे चरण में 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराया जाएगा । स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री सिंह ने दशहरा मैदान पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों की तैयारी करने, साफ सफाई , विद्युत व्यवस्था, यातायात व्यवस्था और आवश्यक बेरिकेडींग करने के निर्देश दिए । स्वतंत्रता दिवस के दौरान मिलने वाले पुरस्कारों के लिए मैदानी स्तर के अधिकारियों पंचायत सचिव और पटवारियों व अन्य अधिकारियों के द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के अनुसार उनकी सूची तैयार कर समय पर प्रषित करने के निर्देश दिए ।

बैठक में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत बुधवार 13 अगस्त को जिले से बनारस और अयोध्या जाने वाली यात्रा के दौरान सभी आवश्यक तैयारिया समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए । बताया गया कि आगर मालवा के श्रद्धालु भी उज्जैन से ट्रेन में तीर्थ यात्रा के लिए जाऐंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने राहवीर योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले राहवीरों का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए । साथ ही अंतरजातिय विवाह और शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का भी व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए । समग्र ई केवाईसी अभियान की समीक्षा के दौरान जनपद पंचायत घट्टिया और नगर पालिका नागदा के सीएमओं को कार्य में लापरवाही बरतने पर एससीएन जारी करने के निर्देश दिए । साथ ही जनपद पंचायत खाचरौद में अच्छा कार्य होने पर कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा प्रशंसा की गई ।

स्थलरुद्ध विकासशील देशों की विकास आवश्यकताओं पर अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता दिवस पर विक्रम विवि में सामुदायिक पर्यावरण संवाद

उज्जैन। संयुक्त राष्ट महासभा द्वारा घोषित स्थलरुद्ध विकासशील देशों की विशेष विकास आवश्यकताओं और चुनौतियों के बारे में अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता दिवस के शुभकामना प्रसंग सन्देश में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में नवीन शिक्षा नीति एवं इंटरडिसिप्लिनरी शिक्षण सन्देश के व्यापक प्रसार की सराहना की। उन्होंने एल्युमिनी और उद्योग जगत के साझा पर्यावरण संरक्षण अभियान को मील का पत्थर बताया और पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान द्वारा आयोजित इस अनूठे सामुदायिक पर्यावरण संवाद के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी की उपस्थिति को रेखांकित किया।

संयुक्त राष्ट संघ द्वारा घोषित संपोषणीय विकास लक्ष्यों (स्ष्ठत्नह्य) की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास करते हुए विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के प्रतिष्ठित पर्यावरण प्रेमी एल्युमिनी समूह द्वारा प्रथम उत्सव दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष सामुदायिक पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन के पूर्व साथियों, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन रीजन अध्यक्ष श्री नवीन जैन के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। इस आयोजन में माननीय श्री प्रदीप पांडे जी के सानिध्य में मित्र समूह द्वारा संयुक्त राष्ट संपोषणीय विकास लक्ष्यों जागरूकता सक्रिय गतिशील केंद्र पं. ज. नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान परिसर में त्रिवेणी पौधारोपण किया गया।

ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज के छात्रों को मिले राज्यस्तरीय कराटे में मैडल

उज्जैन। ऑक्सफोर्ड जूनियर कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सरोज शुक्ला के अनुसार बताया गया कि इन्दौर में फूनाकोशी सोनोकान राज्यस्तरीय कराते की प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विद्यालय के छात्रों ने कोच सुधीर व्यास के नेतृत्व में अंडर 19 वर्ष में देवेन्द्र सारस्वान ने स्वर्ण पदक, अंडर-14 वर्ष में जयनीत जैन ने रजत पदक एवं बालिका वर्ग - 17 वर्ष में पृकृति देथलीया ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर उज्जैन जिले को गौरवान्वित किया।

रामानुजकोट में झूला उत्सव, भक्तों को दर्शन देने गर्भगृह से बाहर आए भगवान

उज्जैन। रामघाट मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध रामानुजकोट आश्रम में श्रावण मास के अवसर पर पारंपरिक झूला उत्सव पीठाधीश्वर स्वामी श्री रंगनाथाचार्य जी महाराज, युवराज स्वामी श्री माधव प्रपन्नाचार्य जी महारज के सानिध्य में शुरू हुआ।

इस अवसर पर भगवान खुद गर्भगृह से निकलकर बाहर भक्तों को दर्शन देने झूले में पधारते हैं। वर्ष में एक बार यह मौका आता है। आश्रम के प्रबंधक पंडित आत्माराम शर्मा ने बताया कि पांच दिनी झूला उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। प्रतिदिन शाम 7.30 से रात 10.30 बजे तक भगवान फूलों से सजे झूले में विराजित होकर दर्शन दे रहे हैं। इस दौरान आश्रम के संत, महंत, बटुक विद्यार्थी भगवान की नित्य सेवा-पूजा व आराधना कर उत्सव मना रहे हैं। इस दौरान भजन संध्या भी की जा रही है। झूला उत्सव का समापन 9 अगस्त को श्रावण शुक्ल की पूर्णिमा रक्षाबंधन पर्व पर किया जाएगा।

15 अगस्त को होगा टॉवर पर एक दुलारा देश हमारा प्यारा हिंदुस्तान देशभक्ति कार्यक्रम

उज्जैन। शहीदों की शहादत को नमन करने के लिए स्वतंत्रता दिवस की पावन संध्या के अवसर निरंतर 15 वें वर्ष देशभक्ति कार्यक्रम एक दुलारा देश हमारा प्यारा हिंदुस्तान का आयोजन स्वर्णिम भारत मंच के तत्वावधान में 15 अगस्त 2025 को शाम 7 बजे से घंटाघर चौराहा पर किया जाएगा । जिसमें शहर के प्रतिभावान कलाकारों को प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा । आयोजन की तैयारी को लेकर स्वर्णिम भारत मंच के कार्यकर्ताओ की एक वृहद बैठक रखी गई जिसमें कई निर्णय लिए गए ।

स्वर्णिम भारत मंच के अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी आजादी का जश्न मनाने के लिए स्वर्णिम भारत मंच के तत्वावधान में 15 वां देशभक्ति कार्यक्रम एक दुलारा देश हमारा प्यारा हिंदुस्तान आयोजन शुक्रवार 15 अगस्त 2025 को शाम 7 बजे टॉवर चौक पर किया जाएगा।

आयोजन की तैयारी को लेकर मंच की बैठक आवश्यक बैठक रखी जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि भारत माता की दियो से आरती कर नगर के होनहार कलाकारों को मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देकर सम्मानित किया जाए। जितेन्द्र बैरागी , संदीप व्यास ने सुझाव दिया कि शहीदों की शहादत को लोग भूलते जा रहे है । आम जन आजादी के उत्सव को केवल छुट्टी का दिन मानता है । पुष्पेंद्र बारकिया ने कहा कि आम लोगों की सहभागिता के लिए एक एक दीपक लगाने के लिए लोगों से आव्हान करना चाहिए । दीपक जाट ने सुझाव दिया कि भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद का बड़ा कट आऊट लगाया जाए ।

देशभक्ति तरानों से गूंजेगा घंटाघर वैसे तो 15 अगस्त को पूरे शहर भर में सुबह से आजादी का जश्न मनाया जाता है लेकिन शाम को नगर के हृदय स्थल घंटाघर पर एक ऐसा आयोजन होता है जिससे सीधा आम आदमी जुड़ता है । लोगों में देशभक्ति की अलख जगाने के लिए कलाकारों द्वारा रंगारंग संगीत मय प्रस्तुति दी जाती है । भारत माता की जय जय कारों से गूंज उठेगा टॉवर । बैठक में जयंत सिंह गौर , विरेंद्र सिंह ठाकुर , संजय श्रीवास्तव,चेतन श्रीवास्तव, संदीप व्यास , विरेंद्र सिंह राजावत,अजेंद्र त्रिवेदी, कल्याण सिंह, दीपक जाट, अनुप आंचलिया, शक्ति वर्मा, चेतन अहिरवार , मंगलेश जोशी, आदित्य सिंह सेंगर, गौरव रोकड़े, आशीष पंवार , वंदना जैन ,अर्जुन सिंह सिसोदिया, लोकेंद्र रामी, दीपक भारती , लाखन जाट, हरिओम तिवारी, मुकेश मालवीय, कमल गौड,दिनेश जोशी, दिगपाल सिंह चौहान, प्रमेंद्र सिंह ठाकुर आदि।

वृक्ष हमारे जीवन भर के मित्र, रोटरी क्लब आफ उज्जैन ग्रेटर ने किया वृक्षारोपण

उज्जैन। वृक्ष हमारे सम्पूर्ण जीवन के सच्चे मित्र हैं, यह संदेश देते हुए रोटरी क्लब आफ उज्जैन ग्रेटर ने वृक्षारोपण किया।

क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ अजय खरे व सचिव रोटेरियन आशीष दोषी ने बताया कि बड़नगर रोड़ पर स्थित ग्राम चीखली में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में सदस्यों के लिए कई मनोरंजक प्रतियोगिताएं सुनीता पंड्या, डाक्टर शैली खरे, श्वेता गुप्ता व शैलजा बैराठी के संयोजन में आयोजित हुई, जिनमें रोटरी परिवार के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में रोटेरियन राजीव शैलजा बैराठी, डॉ रूपेश नविता खत्री, प्रकाश रजनी हरभजनका, कुलभूषण कामिनी जुनेजा व भावेश आकांक्षा लिग्गा पुरस्कृत किये गये। पुरस्कार वितरण क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन उमेश महाजन, मिथिलेश बदेका, डॉ प्रदीप व्यास व डॉ जितेन्द्र भटनागर ने किया। कार्यक्रम में अनीषा खंडेलवाल, डॉ शुभा जैन, डॉ अरुणा व्यास, सुमीना लिग्गा, नविता खत्री, डॉ शैली खरे, श्वेता गुप्ता, अंजना तिवारी, कामिनी जुनेजा, सुनीता पंड्या, सरिता जैन, जमना महाजन, शैलजि बैराठी व गरिमा मारोठिया द्वारा एक पेड़ मां के नाम के अन्तर्गत वृक्षारोपण किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com